

वेदिका

सुशासन के लिए सुरक्षित, खोजयोग्य एवं सतत डिजिटल अभिलेख सुनिश्चित करना

संपादित : अमित अग्रवाल



सरकार द्वारा लिया गया प्रत्येक निर्णय, प्रत्येक नीति, अधिसूचना, प्रतिवेदन, संसदीय बहस तथा प्रशासनिक अभिलेख राष्ट्र की संस्थागत स्मृति का हिस्सा होता है। इन अभिलेखों का संरक्षण तथा उन्हें सरलतापूर्वक खोजे और उपयोग किए जाने योग्य बनाना प्रभावी शासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है।

दशकों से सरकारी संगठन सूचना प्रबंधन के लिए भौतिक फाइलों और विभिन्न स्थानों पर स्थित दस्तावेज रिपॉजिटरियों पर निर्भर रहे हैं। यद्यपि इन व्यवस्थाओं ने अपने समय में उपयोगी भूमिका निभाई, किन्तु अभिलेखों की निरंतर बढ़ती मात्रा ने उनके भंडारण, पुनर्प्राप्ति और संरक्षण को अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है। फाइलों का पता लगाना कठिन हो सकता है, भौतिक अभिलेख समय के साथ क्षतिग्रस्त हो सकते हैं तथा विभिन्न प्रणालियों में संग्रहीत सूचनाओं तक पहुंच प्राप्त करना जटिल हो सकता है।

डिजिटल अभिलेखीकरण इन चुनौतियों का समाधान एक ऐसे संरचित डिजिटल वातावरण के माध्यम से करता है, जिसमें अभिलेखों का संरक्षण, संगठन और उपयोग संभव हो सके। यह

वेदिका, एनआईसी द्वारा विकसित एक डिजिटल अभिलेखीकरण एवं दस्तावेज प्रबंधन मंच है, जिसे मंत्रालयों, विभागों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों को उनके अभिलेखों के सम्पूर्ण जीवनचक्र में संरक्षित, व्यवस्थित और प्रबंधित करने में सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से अपनाए गए मुक्त-स्रोत रिपॉजिटरी मंच डी-स्पेस पर आधारित तथा सरकारी संगठनों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित, वेदिका बिखरे हुए दस्तावेज संग्रहों को संरचित, खोजयोग्य और दीर्घकालिक डिजिटल रिपॉजिटरियों में परिवर्तित करती है।

वेदिका इन सभी सुविधाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाता है, जिससे संस्थाएँ अपनी जानकारी को सुरक्षित रख पाती हैं और सही समय पर सही यूजर्स तक जानकारी पहुँचा पाती हैं।

वेदिका मंच

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) द्वारा विकसित वेदिका, सरकारी संगठनों के लिए एक विन्यासयोग्य डिजिटल अभिलेखीकरण एवं दस्तावेज प्रबंधन मंच उपलब्ध कराती है।

इसका मूल आधार डी-स्पेस है, जो विश्व के सर्वाधिक प्रचलित मुक्त-स्रोत रिपॉजिटरी मंचों में से एक है। मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) पुस्तकालयों तथा हेवलेट-पैकार्ड प्रयोगशालाओं के सहयोग से विकसित डी-स्पेस का उपयोग विश्वभर के हजारों संस्थान दीर्घकालिक डिजिटल संरक्षण और रिपॉजिटरी प्रबंधन के लिए करते हैं।

एनआईसी इस सिद्ध एवं विश्वसनीय आधारभूत मंच का उपयोग करते हुए इसे मंत्रालयों, विभागों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित करता है। परिणामस्वरूप एक ऐसा मंच उपलब्ध होता है जो अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं और सरकारी आवश्यकताओं पर आधारित अनुकूलन का समन्वय प्रस्तुत करता है।

संगठनात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप

प्रत्येक संगठन अपनी सूचनाओं का प्रबंधन अलग-अलग तरीके से करता है। उदाहरण के लिए, किसी विधायी रिपॉजिटरी में अधिनियमों, नियमों और अधिसूचनाओं के लिए विशेष वर्गीकरण की आवश्यकता हो सकती है, जबकि किसी संसदीय रिपॉजिटरी में सामग्री को सत्रों, बहसों और सदस्यों के आधार पर व्यवस्थित किया जा सकता है।

वेदिका इन विविध आवश्यकताओं को विन्यासयोग्य रिपॉजिटरी संरचनाओं, मेटाडेटा स्कीमाओं, संग्रह पदानुक्रमों, कार्यप्रवाहों तथा भूमिका-आधारित अभिगम नीतियों के माध्यम से पूरा करती है। संगठन अपने दस्तावेज वर्गीकरण, मेटाडेटा आवश्यकताओं तथा अभिगम नियमों को परिभाषित करते हैं, जबकि एनआईसी मंच को इन आवश्यकताओं के अनुरूप विन्यस्त करता है। आवश्यकता पड़ने पर विशेष प्रयोजन हेतु अनुकूलित इंटरफेस तथा समर्पित पोर्टलों का विकास भी किया जा सकता है।

प्रमुख विशेषताएँ

वेदिका दस्तावेज प्रबंधन व डिजिटल अभिलेखीकरण से संबंधित



आशीष विक्रम अस्थाना
उप महानिदेशक व एचओजी
avasthana@nic.in



ब्रिजेश कृष्ण शर्मा
वरिष्ठ तकनीकी निदेशक
brijesh@nic.in



मो० इफ्तेखार खान
वैज्ञानिक - सी
md.iftikhar@nic.in



निवेदिता अग्रवाल
वैज्ञानिक - सी
nivedita.aggarwal@nic.in

सुनिश्चित करता है कि सूचनाएं भविष्य में संदर्भ हेतु उपलब्ध रहें तथा उनकी खोज क्षमता और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हो।

दस्तावेज भंडारण से ज्ञान संरक्षण तक

डिजिटल आर्काइविंग का मतलब सिर्फ कागजी रिकॉर्ड को इलेक्ट्रॉनिक फाइलों में बदलना नहीं है। इसकी असली अहमियत ऐसे सिस्टम बनाने में है जहाँ जानकारी को व्यवस्थित तरीके से रखा व खोजा जा सके और जरूरत पड़ने पर उसे वापस पाया जा सके।

यहाँ पर डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम (डीएमएस) एक अहम भूमिका निभाता है। डीएमएस व्यवस्थित स्टोरेज, खोजने की सुविधा, वर्शन ट्रैकिंग, एक्सेस कंट्रोल, ऑडिट की सुविधा और वर्कफ्लो सपोर्ट देता है, जिससे यह पक्का होता है कि आर्काइव किए गए रिकॉर्ड बनने के लंबे समय बाद भी काम के बने रहें।

अनेक महत्वपूर्ण सुविधाएँ प्रदान करती है, जिनमें शामिल हैं-

- विन्यासयोग्य रिपॉजिटरी पदानुक्रमों के माध्यम से दस्तावेजों का संरचित संगठन।
- मेटाडेटा तथा पूर्ण-पाठ अनुक्रमण पर आधारित उन्नत खोज सुविधा।
- उपयोगकर्ता भूमिकाओं और संगठनात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप नियंत्रित अभिगम।
- दस्तावेज गतिविधियों का संस्करण अनुश्रवण एवं लेखापरीक्षणीयता।
- प्रस्तुतीकरण, समीक्षा एवं अनुमोदन प्रक्रियाओं के लिए कार्यप्रवाह समर्थन।
- डिजिटल अभिलेखों का दीर्घकालिक संरक्षण।

इन सभी क्षमताओं के माध्यम से संगठन साधारण दस्तावेज भंडारण से आगे बढ़कर स्थायी डिजिटल ज्ञान रिपॉजिटरियों की स्थापना कर सकते हैं।

कार्यान्वयन दृष्टिकोण

वेदिका का कार्यान्वयन एक संरचित तथा सहयोगात्मक प्रक्रिया का अनुसरण करता है।

व्यवहार में वेदिका

वेदिका का सफलतापूर्वक उपयोग अनेक महत्वपूर्ण सरकारी रिपॉजिटरियों में किया जा रहा है, जो सार्वजनिक अभिगम वाले अभिलेखागारों और आंतरिक उपयोग हेतु सुरक्षित रिपॉजिटरियों—दोनों प्रकार के वातावरणों में इसकी बहुमुखी उपयोगिता को प्रदर्शित करता है।

संसद डिजिटल पुस्तकालय

संसद डिजिटल पुस्तकालय संसदीय अभिलेखों की एकिकृत रिपॉजिटरी उपलब्ध कराता है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता संसदीय बहसों, समिति प्रतिवेदनों, बजट भाषणों तथा अन्य संसदीय दस्तावेजों को एक ही मंच पर खोज सकते हैं। यह रिपॉजिटरी सूचना की उपलब्धता को सुदृढ़ करते हुए पारदर्शिता और जनभागीदारी को भी प्रोत्साहित करती है।

इंडिया कोड

इंडिया कोड एक केंद्रीकृत विधायी रिपॉजिटरी है, जिसमें केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अधिनियमित अधिनियम, नियम, विनियम तथा अधिसूचनाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। प्रमाणीकृत प्रकाशन

आधारित अभिगम प्रबंधन के माध्यम से वेदिका सार्वजनिक अभिलेखागारों तथा गोपनीय संस्थागत रिपॉजिटरियों—दोनों का प्रभावी समर्थन कर सकती है।

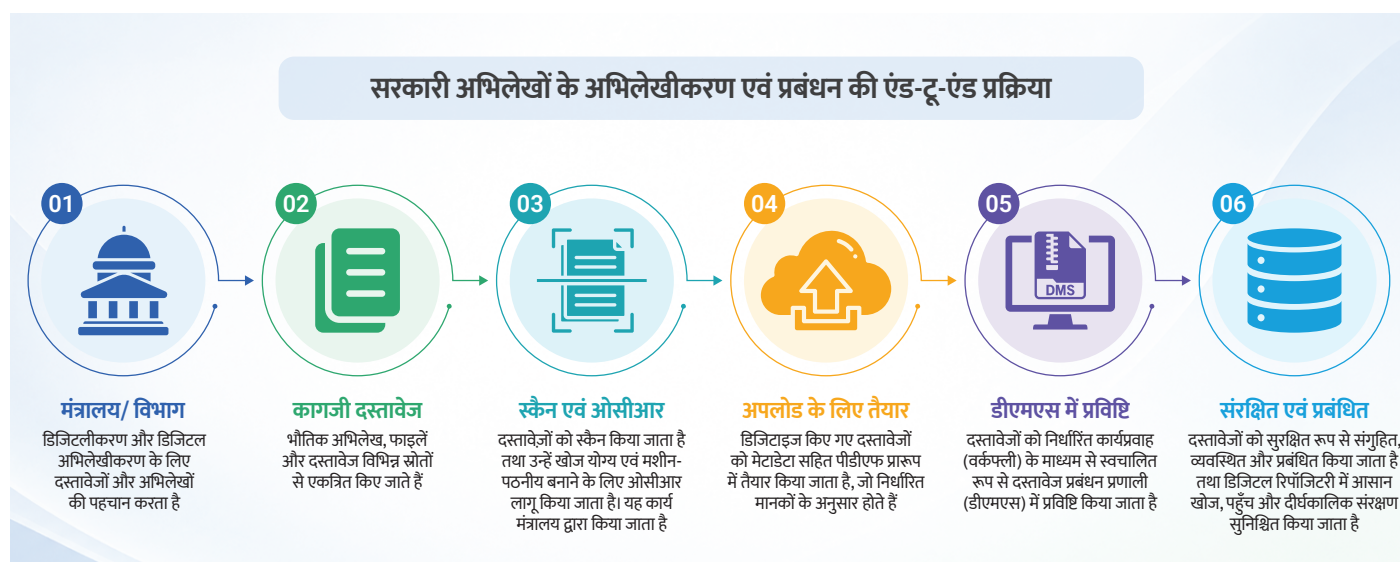
प्रभाव

अभिलेखों के व्यवस्थित संरक्षण तथा त्वरित पुनर्प्राप्ति को सक्षम बनाकर वेदिका सरकारी संगठनों को भौतिक भंडारण पर निर्भरता कम करने, सूचनाओं तक पहुँच बेहतर बनाने तथा भावी पीढ़ियों के लिए संस्थागत स्मृति के संरक्षण में सहायता प्रदान करती है।

इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वेदिका स्थिर अभिलेखों को ऐसे सुलभ ज्ञान-संसाधनों में परिवर्तित करती है जो सुशासन, अनुसंधान, पारदर्शिता तथा सूचित निर्णय-निर्माण को सशक्त बनाते हैं।

निष्कर्ष

जैसे-जैसे सरकारें डिजिटल-प्रथम प्रशासन को अपनाती जा रही हैं, सूचनाओं का प्रभावी संरक्षण और प्रबंधन एक रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। वेदिका एक संरचित, अनुकूलनीय और सिद्ध डिजिटल अभिलेखीकरण एवं दस्तावेज प्रबंधन मंच प्रदान



▲ चित्र 9.1

वेदिका डिजिटल रिपॉजिटरी कार्यान्वयन ढांचा

प्रक्रिया की शुरुआत अभिलेखीकरण एवं डिजिटलीकरण हेतु अभिलेखों की पहचान से होती है। भौतिक दस्तावेजों को स्कैन कर ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर) तकनीकों की सहायता से संसाधित किया जा सकता है, जबकि डिजिटल अभिलेखों को सीधे रिपॉजिटरी में सम्मिलित किया जा सकता है। इसके पश्चात संगठन दस्तावेज वर्गीकरण, मेटाडेटा संरचना, उपयोगकर्ता भूमिकाएँ तथा अभिगम नीतियाँ निर्धारित करते हैं।

इन जानकारीयों के आधार पर एनआईसी रिपॉजिटरी का विन्यास करता है, संग्रह संरचनाएँ और कार्यप्रवाह स्थापित करता है, परीक्षण एवं सत्यापन सम्पन्न करता है तथा समाधान को एनआईसी की क्लाउड अवसंरचना पर परिनियोजित करता है। परिनियोजन के बाद उपयोगकर्ताओं का ऑनबोर्डिंग तथा परिचालन सहायता भी प्रदान की जाती है।

कार्यप्रवाह के माध्यम से यह रिपॉजिटरी उपयोगकर्ताओं को सत्यापित एवं अद्यतन विधायी जानकारी तक विश्वसनीय पहुँच सुनिश्चित करती है।

राज्यसभा डिजिटल रिपॉजिटरी

राज्यसभा डिजिटल रिपॉजिटरी वर्ष 1952 से अब तक की संसदीय बहसों और कार्यवाहियों का संरक्षण करती है। इसकी उन्नत खोज सुविधाएँ उपयोगकर्ताओं को विभिन्न खोज मानदंडों के आधार पर संसदीय इतिहास के दशकों पुराने अभिलेखों तक पहुँच प्रदान करती हैं।

राज्यसभा सचिवालय आंतरिक रिपॉजिटरी

यही मंच सुरक्षित आंतरिक रिपॉजिटरियों का भी समर्थन करता है, जहाँ संगठनात्मक आवश्यकताओं के अनुसार अभिगम को नियंत्रित किया जाता है। यह कार्यान्वयन दर्शाता है कि विन्यास-

करती है, जो संगठनों को ऐसे रिपॉजिटरी विकसित करने में सहायता करता है जो ज्ञान का संरक्षण करें, खोजयोग्यता बढ़ाएँ और सुशासन को सुदृढ़ बनाएँ।

वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय रिपॉजिटरी आधार पर निर्मित तथा सरकारी संस्थाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित, वेदिका दस्तावेज भंडारण से दीर्घकालिक डिजिटल ज्ञान संरक्षण की दिशा में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

आशीष विक्रम अस्थाना

उप महानिदेशक और एचओसी
एनआईसी मुख्यालय, ए-ब्लॉक, लोधी रोड
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, दिल्ली - 110003
ईमेल: avasthana@nic.in, फ़ोन: 011-24305887